महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

चौकमाफी पीपीगंज गोरखपुर उत्तर प्रदेश २७३१६५

Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra

Chaukmafi (Peppeganj), Jangal Kaudiya Gorakhpur, U.P-273165

Website : http://www.mgkvk.in Email: gorakhpurkvk2@gmail.com

डॉ विवेक प्रताप सिंह

विशेषज्ञ - पशुपालन

पशुओं में लंगड़ी रोग

यह एक छुआछूत की बीमारी है जिसमें पशुओं के मसीले भाग में गैस भरी सूजन आ जाती है। यह गाय, भैस, भेड़, बकरी आदि जानवरो में देखी जाती है रोग पशु के कंधे या पिछले पुट्ठे पर होकर पशु को लंगड़ा बना देता है।

लक्षण :

- पशु अन्य पशु से अलग खड़ा होता है।
- खाना पीना व जुगाली करना बदं कर देता है
- तेज बुखार 107–108 डिग्री फारेन्हाइट के साथ जाँघों में या गर्दन पर दर्द शुरू होता है
- सूजन जल्दी–जल्दी बढ़ने लगती है। शरीर का तापक्रम एकदम बढ़ना तथा अचानक सामान्य से भी कम हो जाता है और पशुओं की मृत्यु हो जाती है।
- पशु लगंड़ा के चलता है तथा सूजन वाला भाग दबाने पर चरु –चरु की आवाज आती है
- कभी–कभी पशु बिलकुल चल फिर नहीं पाता है।

रोकथाम :

- स्वस्थ पशुओं को पशु चिकित्सक की सलाह द्वारा 6 माह आयु से पहले व प्रति वर्ष इसका टीका लगवाना चाहिए।
- पशु के खान–पान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- पशुशाला की नियमित साफ–सफाई पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- पशु में लगने वाले किल्ली, जूँ को शरीर में दवा लगाकर खत्म कर देना चाहिए ये बहतु सी बीमारियों को पैदा करने मे मदद करते हैं
- पशु को पिलाने वाला पानी स्वच्छ होना चाहिए।
- पशुगृह में अधिक झुण्ड में पशुओं को न रखकर, कम संख्या में एवं खुले रूप में पशुओं को रखना चाहिए।
- रोग से ग्रसित पशु की मृत्यु के बाद शव को कही दूर गाढ़ देना चाहिए।